RNI No.RAJHIN/2012/44901

Postal Reg. No. जयपुर सिटी/403-2024-26

निवेश पत्रिका

निवेश करें लगातार, सपने करें साकार

वर्ष : 14 अंक 2 www.mftoday.com हिन्दी मासिक जयपुर, 1 अगस्त 2025 कुल पृष्ठ : 8 मूल्य : 10 रुपए email : Services@mftoday.com

सम्पादकीय

सेना विशेषांक

समय को देखते हुए खुद को बदलें

सर्वप्रथम निवेश पत्रिका की तरफ से हमारे सैनिक भाइयों को प्रणाम

सैनिकों का सम्मान हमारा राष्ट्रधर्म है। बात जब देश के लिए जान देने की आती है तो सबसे आगे हमारे देशभक्त सिपाही ही होते हैं। जब भी किसी रास्ते पर वर्दी में कोई फौजी दिख जाता है तो हर नागरिक का सिर श्रद्धा से झुक जाता है।

भाईयों, आपकी सेवा अन्य कार्यों से पूरी तरह भिन्न है। देश सेवा का आपका यह कार्य राष्ट्रव्यापी है अर्थात आपका सेवा क्षेत्र पूरा देश है। आपके कार्य को किसी क्षेत्र विशेष से नहीं जोड़ा जा सकता। आप अन्य सेवकों की अपेक्षा शीघ्र रिटायर होते हैं। आपका शरीर वज्र सा तो मन गंगाजल सा निर्मल होता है। आप खरे होते हैं तो सामने वाले से भी उतना ही खरा होने की उम्मीद रखते हैं। लेकिन आज का जमाना बदला है। बात जब निवेश की आती है तो आपका आंख मूंदकर किया हुआ यह विश्वास कभी-कभी नुकसानदेह साबित होता है। बाजार में आप धोखा खा जाते हैं। आपके पसीने की एक-एक बूंद से कमाया पैसा आपको पछताने पर मजबूर कर देता है। आपको चाहिए कि आप सीधे और सरल बने रहें लेकिन सतर्क जरूर रहें खासकर निवेश करते समय। कोई भी व्यक्ति हर क्षेत्र का विशेषज्ञ नहीं होता। ऐसे में उसे चाहिए कि वह उस क्षेत्र के जानकार से सलाह ले। हां, सलाहकार का विश सनीय होना जरूरी है। सलाहकार अपने हित की नहीं आपके हित की सोचने वाला हो। पहले ये देखें कि जो फर्म या व्यक्ति हमें सलाह दे रहा है वह कब से इस क्षेत्र में काम कर रहा है। उसके प्रति लोगों के अनुभव कैसे हैं खासकर भूतपूर्व सैनिकों के। पहले सलाहकार के बारे में पूरी जानकारी लेने के बाद उसको अपनी आवश्यकताएं बताएं। उदाहरण के लिए आपको बच्चों की पढ़ाई या शादी के वक्त कब और कितना पैसा चाहिए। साथ ही धन को निवेश के बाद सामने आने वाली परिस्थितियों की पूरी जानकारी पहले लें। आप देश के किसी भी कोने में होने पर हमारी वेबसाइट के जरिए ऑन लाइन जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

ज्यादातर हमारे फौजी भाई डीएसओपी फंड में निवेश करते हैं। यह रास्ता इन्हें आसान नजर आता है और कुछ देखादेखी के कारण भी ऐसा होता है। हमें चाहिए कि हम सारा पैसा एक ही तरीके से निवेश नहीं करें। हम निवेश के वे रास्ते भी चुनें जिनमें लाभ की संभावना अच्छी होती है। प्रोविडेंट फंड में सीमित लाभ मिलता है। अन्य क्षेत्रों की हमें जानकारी नहीं होती। कई बार निवेश की ऐसी सलाह आती है जिस पर विश्वास नहीं होता है और वह सलाह सही भी नहीं होती। फिर आज कल आए दिन खबरें भी तो अच्छी नहीं आ रही। हर जगह विश्वासघात हो रहा है। जिनको खुद को ज्ञान नहीं है वे भी सलाहकार बन जाते हैं। कई जानबूझकर जाल ही धोखेबाजी के लिए बिछाते हैं। वास्तव में उनसे सावधान रहने की जरूरत है। हम बचें लेकिन बुरे लोगों से, हमारे हित में सोचने वालों से नहीं। समय को देखते हुए खुद को बदलें। अपने पैसे को वक्त की रफ्तार के साथ बढ़ाते हुए चलें क्योंकि हमारे पास अकूत धन तो है नहीं। हमें सीमा में मिलता है और वह भी हमारी कड़ी मेहनत के बाद। ऐसे में वक्त की नजाकत को समझना जरूरी है।

हम, मालू इन्वेस्टवाइज... पिछले 32 सालों से इस क्षेत्र में कार्यरत हैं। ग्राहक की सच्ची सेवा ही हमारी पूंजी है। हर क्षेत्र के लोग हमारी सेवा का लाभ लेते रहे हैं। सेना के जवान से लेकर अधिकारी तक को हमने सेवा दी है। निवेश के क्षेत्र में हर प्रकार की सलाह आपके लिए सदा उपलब्ध है। आपकी सेवा हमारा कर्तव्य है।

आपके साहस को पुनः नमन।

वित्तीय स्वतंत्रता की राह में फाइनेंशियल एडवाइजर की अहम भूमिका

वित्तीय स्वतंत्रता यानी ऐसा जीवन जहाँ आपकी आमदनी आपकी जरूरतों और इच्छाओं को बिना किसी आर्थिक चिंता के पूरा कर सके। इस लक्ष्य तक पहुंचने में एक अनुभवी फाइनेंशियल एडवाइजर की भूमिका मार्गदर्शक की होती है। आइए जानें कैसे:

स्पष्ट लक्ष्य निर्धारण: सलाहकार आपके जीवन के छोटे-बड़े वित्तीय लक्ष्यों को समझकर, उन्हें पाने की स्पष्ट योजना तैयार करता है।

2. सही निवेश रणनीति बनाना: हर व्यक्ति की जोखिम क्षमता अलग होती है। सलाहकार उस आधार पर एसआईपी, म्यूचुअल फंड, शेयर, FD आदि में संतुलित निवेश की रणनीति बनाता है।

3. कर बचत की स्मार्ट योजना: एक अच्छा एडवाइजर आपको टैक्स सेविंग स्कीम्स की जानकारी देकर रिटर्न बढ़ाने और टैक्स कम करने में मदद करता है।

4. भावनात्मक फैसलों से सुरक्षा: बाजार की हलचल में जल्दबाज़ी से बचाकर, वह आपको तर्कसंगत और दीर्घकालिक सोच के साथ फैसले लेने में सहयोग करता है।

5. समय-समय पर समीक्षा और सुधार: वह निवेश की नियमित समीक्षा कर आवश्यक बदलाव सुझाता है, ताकि आपकी योजनाएं प्रासंगिक बनी रहें।

निष्कर्ष: 'एक सक्षम वित्तीय सलाहकार न सिर्फ आपकी पूंजी बढ़ाता है, बल्कि आपको आर्थिक रूप से आज़ाद भी बनाता है।'

इनसाईड स्टोरी

2
स्वतंत्र वही, जो वित्तीय रूप से स्वतंत्र हो!...

3
भगवान श्रीकृष्ण से सीखें मनी मैनेजमेंट के अमूल्य पाठ...

4
वॉरेन बफे के निवेश सूत्र युवाओं के लिए शेयर बाजार में...

5

SIP के जरिए पैसा बनाने के ये 10 टिप्स है कमाल के....

6

वर्तमान समय में म्यूचुअल फंड में निवेश क्यों है बेहद जरूरी....

7

किन वजहों से बैंक आपका अकाउंट कर सकता है फ्रीज, ऐसा हो ...

8
निवेश पर रिटर्न क्यों घटता है? जानिए ये 8 वजहें और उनसे...

अपनी बचत को सही निवेश कर अपने गोल को पूरा करने हेतु सम्पर्क करें: - 8287 099 099

निर्भर स्कीम चयन एवं बाजार जोखिम पर, निवेश करने से पहले ऑफर दस्तावेज पूर्णरूप से पढ़ लें।

स्वतंत्र वही, जो वित्तीय रूप से स्वतंत्र हो!

हम अक्सर स्वतंत्रता को केवल सामाजिक या राजनीतिक दृष्टिकोण से देखते हैं, लेकिन आज के समय में वास्तविक स्वतंत्रता तभी मानी जाएगी जब व्यक्ति वित्तीय रूप से स्वतंत्र हो। यानी जब उसके पास इतना आर्थिक संबल हो कि वह अपने फैसले बिना किसी दबाव के ले सके। बिना ऋण के, बिना आर्थिक तनाव के और बिना भविष्य की चिंता के जी सकना ही असली आज़ादी है।

इस लेख में हम वित्तीय स्वतंत्रता के महत्व और इसे हासिल करने के लिए अपनाए जाने वाले स्मार्ट मनी मैनेजमेंट के तरीकों को बिंदुवार समझेंगे।

वित्तीय स्वतंत्रता क्या है?

वित्तीय स्वतंत्रता का अर्थ है – आपकी आमदनी आपके खर्चों से कहीं अधिक हो और आप किसी पर निर्भर न हों। इसका अर्थ यह भी है कि आपकी आय के स्रोत सक्रिय (active) और निष्क्रिय (passive) दोनों हों, जिससे आपकी ज़रूरतें और इच्छाएं बिना तनाव के पूरी हो सकें। इसका मकसद अमीर बनना नहीं, बल्कि आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनना है।

वित्तीय स्वतंत्रता क्यों जरूरी है?

आर्थिक अनिश्चितता से सुरक्षा: नौकरी जाने, बीमारी या मंदी जैसी स्थितियों में बिना आर्थिक संबल के जीवन कठिन हो जाता है।

मन की शांति: जब पैसों की चिंता नहीं होती, तब निर्णय स्वतंत्र और बेहतर होते हैं।

स्वतंत्र जीवनशैली: आप वह कर सकते हैं जो वास्तव में करना चाहते हैं – जैसे अपना व्यवसाय शुरू करना, यात्रा करना, जल्दी रिटायर होना आदि।

परिवार की सुरक्षा: वित्तीय स्वतंत्रता से आप अपने बच्चों की शिक्षा, माता-पिता की देखभाल और स्वास्थ्य जरूरतों को बेहतर तरीके से संभाल सकते हैं।

कैसे बनें वित्तीय रूप से स्वतंत्र?

- बजट बनाएं और पालन करें
- हर महीने की आमदनी और खर्चों का लेखा-जोखा रखें। जरूरी, गैर-जरूरी और विलासिता के खर्चों को अलग-अलग पहचानें।
- बचत को प्राथमिकता दें
- 'कमाओ और खर्च करो' की जगह 'कमाओ, बचाओ, फिर खर्च करो' अपनाएं।
- आमदनी का कम से कम 20-30% हिस्सा बचत के लिए निर्धारित करें।
- स्मार्ट निवेश करें
- सिर्फ बचत से भविष्य नहीं संवरता।
- म्यूचुअल फंड, शेयर, पीपीएफ, ईएलएसएस, एनपीएस और रियल एस्टेट जैसे विकल्पों में निवेश करें।
- SIP के ज़रिए नियमित निवेश करें, ताकि कंपाउंडिंग का लाभ मिले।

ऋण को नियंत्रित करें

क्रेडिट कार्ड का अत्यधिक उपयोग, पर्सनल लोन, ईएमआई में फंसा रहना – ये सब वित्तीय स्वतंत्रता की राह में बाधा हैं। सिर्फ ज़रूरत पर ही कर्ज लें और समय पर चुकाएं।

आपातकालीन कोष बनाएं

कम से कम 6 महीने के खर्च जितनी राशि एक अलग फंड में रखें। यह मेडिकल इमरजेंसी, नौकरी छूटने या किसी पारिवारिक संकट में सहारा बनती है।

बीमा कराएं

जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा जैसे साधन आपके परिवार को असमय दुर्घटनाओं से आर्थिक सुरक्षा देते हैं। अस्वस्थता या मृत्यु की स्थिति में बीमा ही वित्तीय ढाल का काम करता है।

निष्क्रिय आय (Passive Income) के स्रोत बनाएं

केवल नौकरी या व्यवसाय पर निर्भर रहना आपको सीमित रखता है।

FD, किराये की संपत्ति, डिविडेंड देने वाले स्टॉक्स, ऑनलाइन कोर्स, ब्लॉगिंग, फ्रीलांसिंग आदि से आय के वैकल्पिक स्रोत बनाएं।

वित्तीय साक्षरता को बढ़ाएं

आमदनी बढ़ाने से ज्यादा जरूरी है वित्तीय ज्ञान बढ़ाना।

बजटिंग, टैक्स प्लानिंग, निवेश के जोखिम, रिटायरमेंट प्लानिंग जैसी बातें सीखें और दूसरों को भी सिखाएं।

जल्द शुरुआत करें, समय को साथी बनाएं

जितना जल्दी आप निवेश शुरू करेंगे, उतना ज्यादा फायदा मिलेगा।

कॉम्पाउंडिंग (चक्रवृद्धि ब्याज) समय के साथ आपकी संपत्ति को तेजी से बढ़ाता है।

आज के युग में सिर्फ नौकरी या व्यापार से आर्थिक सुरक्षा नहीं मिलती। वित्तीय स्वतंत्रता वह शक्ति है, जो आपको परिस्थितियों से नहीं, बल्कि परिस्थितियाँ आपसे संचालित होती हैं। इसके लिए जरूरी है कि आप मनी मैनेजमेंट की कला को समझें और उसे अपने जीवन का हिस्सा बनाएं।

याद रखिए – सच्ची स्वतंत्रता वही है, जो आर्थिक रूप से भी आज़ाद हो।

तो अब देर किस बात की? आज ही से शुरू करें अपने वित्तीय भविष्य की मजबूत नींव रखना।

ज्ञान के मोती

1. **बचत-** खर्च करने के पश्चात जो बचे उसे बचत ना करे। बल्कि बचत करने के पश्चात जो बचे उसे ही खर्च करे।
2. **खर्च-** खर्च आवश्यक व दीर्घकालीन उपयोगी वस्तुओं पर ही करें। अन्यथा बिना जरूरत की चीजों पर खर्च करेंगे तो शीघ्र बेचना पड़ सकता है। या कबाड़ी को देना पड़ सकता है।
3. **कमाई-** वर्तमान समय में कभी भी एक अकेली आय पर निर्भर न रहे। वरन् यह जरूरी है। अपने निवेश को अपनी आय का दूसरा साधन (जरिया) बनावें ।
4. **जोखिम -** जीवन में हर मोड़ पर जोखिम है । अतः थोड़ा जोखिम लेना जरूरी है। क्योंकि जोखिम से रिटर्न की सम्भावना अधिक रहती है।
5. **निवेश** - सभी सेव को एक टोकरी में रखने से उनके खराब होने की सम्भावना अधिक रहती है। अर्थात् निवेश भी डाइवर्सिफाइड (विभिन्न सेक्टरों) में होना चाहिये।

साइबर ठगी से बचने के 5 आसान उपाय

आज के डिजिटल युग में इंटरनेट ने हमारा जीवन आसान तो बनाया है, लेकिन इसके साथ ही साइबर अपराधों का खतरा भी बढ़ गया है। ऑनलाइन फ्रॉड, फिशिंग कॉल, फर्जी लिंक और फेक वेबसाइट्स के जरिए ठग आम लोगों को आसानी से शिकार बना रहे हैं। ऐसे में हर व्यक्ति को जागरूक रहना बेहद जरूरी है।

साइबर फ्रॉड से बचने के लिए अपनाएं ये आसान उपाय

1. **OTP और पासवर्ड कभी साझा न करें:** कोई भी बैंक या कंपनी आपसे कभी भी फोन पर OTP या पासवर्ड नहीं मांगेगी। अगर कोई ऐसा करे, तो तुरंत सतर्क हो जाएं।
2. **अंजान लिंक पर क्लिक न करें:** ईमेल, SMS या व्हाट्सएप पर आए किसी अनजान लिंक पर क्लिक न करें। ये फिशिंग लिंक हो सकते हैं जो आपकी जानकारी चुरा सकते हैं।
3. **पब्लिक वाई-फाई से ट्रांजेक्शन न करें:** खुले या सार्वजनिक वाई-फाई का उपयोग करते समय कभी भी बैंकिंग या खरीदारी से जुड़ा कार्य न करें।
4. **सोशल मीडिया पर निजी जानकारी न डालें:** जन्मतिथि, पता, मोबाइल नंबर जैसी जानकारियां सोशल मीडिया पर न डालें, ये हैकर्स के लिए चारा बन सकती हैं।
5. **मजबूत पासवर्ड बनाएं और समय-समय पर बदलें:** हर खाते के लिए अलग और मजबूत पासवर्ड रखें। '123456' या 'password' जैसे सामान्य पासवर्ड से बचें।

साइबर अपराध से बचाव की पहली सीढ़ी है - सावधानी और जागरूकता। अगर आप सतर्क रहेंगे, तो ऑनलाइन दुनिया आपके लिए सुरक्षित और सुविधाजनक बनी रहेगी।

भगवान श्रीकृष्ण से सीखें मनी मैनेजमेंट के अमूल्य पाठ

भगवान श्रीकृष्ण केवल धर्म, नीति और प्रेम के प्रतीक नहीं हैं, बल्कि उनके जीवन में छिपे हैं मनी मैनेजमेंट सूत्र। चाहे वह महाभारत का युद्ध हो या द्वारका की स्थापना – श्रीकृष्ण ने हर परिस्थिति में व्यावहारिक बुद्धिमत्ता, रणनीति और वित्तीय संतुलन का प्रदर्शन किया। आज की बदलती अर्थव्यवस्था में यदि हम उनके सिद्धांतों को अपनाएं, तो वित्तीय स्वतंत्रता और सफलता दूर नहीं। आइए, बिंदुवार जानें कि भगवान श्रीकृष्ण से हम कौन-कौन से मनी मैनेजमेंट के पाठ सीख सकते हैं:

श्रीकृष्ण ने हर परिस्थिति में व्यावहारिक बुद्धिमत्ता, रणनीति और वित्तीय संतुलन का प्रदर्शन किया। आज की बदलती अर्थव्यवस्था में यदि हम उनके सिद्धांतों को अपनाएं, तो वित्तीय स्वतंत्रता और सफलता दूर नहीं

दीर्घकालिक योजना बनाना

श्रीकृष्ण ने बचपन से ही दूरदर्शिता दिखाई। बाल्यकाल में मथुरा से गोकुल और फिर द्वारका की ओर यात्रा केवल स्थानांतरण नहीं, बल्कि एक रणनीतिक आर्थिक निर्णय था।

वित्तीय सबक: निवेश करते समय केवल तात्कालिक लाभ नहीं, बल्कि लंबी अवधि की योजना और स्थायित्व को ध्यान में रखें। SIP, रिटायरमेंट फंड, और रियल एस्टेट जैसे विकल्पों में निवेश दूरदर्शिता दर्शाता है।

संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग

श्री कृष्ण ने कभी विशाल सेना की मांग नहीं की, बल्कि उन्होंने रणनीति को प्राथमिकता दी। अर्जुन को गीता का ज्ञान देकर उन्होंने मानसिक, रणनीतिक और नैतिक निवेश किया।

वित्तीय सबक: पैसे के साथ-साथ नॉलेज, नेटवर्क और समय भी महत्वपूर्ण संसाधन हैं। इनका सही उपयोग कर आप अपने वित्तीय लक्ष्यों तक जल्दी पहुंच सकते हैं।

विविधता जरूरी है

महाभारत में श्रीकृष्ण ने एक ही रणनीति नहीं अपनाई – कभी कूटनीति, कभी युद्ध, कभी बुद्धि।

वित्तीय सबक: अपने निवेश को एक ही टोकरी में न रखें। शेयर, म्यूचुअल फंड, सोना, पीपीएफ, एफडी आदि में विविध निवेश करें। यह अस्थिर बाजार में आपके जोखिम को कम करता है।

सही समय पर सही निर्णय

कृष्ण ने हर निर्णय सही समय पर लिया – चाहे वो शांति प्रस्ताव भेजना हो या चक्रव्यूह भेदने की रणनीति।

वित्तीय सबक: बाजार में सही समय पर प्रवेश और निकास जरूरी है। भावनाओं में आकर निवेश या बिक्री न करें, बल्कि समय और डेटा के आधार पर निर्णय लें।

संकट में अवसर देखना

जब पांडवों को वनवास मिला, तब कृष्ण ने उनका साथ नहीं छोड़ा, बल्कि उन्हें मानसिक और रणनीतिक रूप से मजबूत किया।

वित्तीय सबक: आर्थिक संकट के समय घबराने के बजाय उसमें अवसर तलाशें। मंदी के समय सही कंपनियों में निवेश एक अवसर हो सकता है।

वैचारिक संपत्ति का निर्माण

श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश दिया – एक ऐसा ज्ञान का खजाना जो आज भी करोड़ों लोगों का मार्गदर्शन करता है।

वित्तीय सबक: वित्तीय संपत्ति के साथ-साथ वैचारिक संपत्ति (knowledge assets) भी जरूरी है। खुद को लगातार शिक्षित करें – वित्तीय साक्षरता, टैक्स प्लानिंग, निवेश रणनीति जैसे विषयों पर जानकारी रखें।

त्याग भी है निवेश का हिस्सा

श्री कृष्ण ने कभी सत्ता की लालसा नहीं की, बल्कि उन्होंने हमेशा दूसरों को सशक्त किया।

वित्तीय सबक: कभी-कभी कुछ इच्छाओं का त्याग कर दीर्घकालिक लाभ पाया जा सकता है। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण भी एक प्रकार का निवेश है।

सही मार्गदर्शन देना और लेना

कृष्ण ने हमेशा पांडवों को सही मार्गदर्शन दिया – समय पर सलाह, मानसिक संबल और दिशा।

वित्तीय सबक: निवेश के क्षेत्र में विशेषज्ञों की सलाह लेना जरूरी है। एक अच्छा फाइनेंशियल एडवाइजर या सीए आपकी आर्थिक यात्रा का कृष्ण बन सकता है।

नैतिकता और पारदर्शिता

श्रीकृष्ण के निर्णय भले ही जटिल रहे हों, लेकिन उनके इरादे हमेशा धर्म और न्याय पर आधारित थे।

वित्तीय सबक: निवेश या व्यापार करते समय नैतिकता और पारदर्शिता बनाए रखें। शॉर्टकट या गलत तरीकों से कमाई कभी भी स्थायी नहीं होती। भगवान श्रीकृष्ण केवल धार्मिक आस्था का केंद्र नहीं हैं, बल्कि उनके जीवन में आधुनिक आर्थिक सिद्धांतों का सार छिपा है। यदि हम उनके सिद्धांतों को अपने मनी मैनेजमेंट में उतारें, तो हम भी वित्तीय रूप से संतुलित, स्वतंत्र और सफल जीवन जी सकते हैं।

आज के युग में श्रीकृष्ण केवल मंदिरों में नहीं, बल्कि हमारे बजट, निवेश और खर्चों की योजना में भी मार्गदर्शक बन सकते हैं।

Mutual Fund investments are subject to market risks, read all scheme related documents carefully.

वॉरेन बफे के निवेश सूत्र

युवाओं के लिए शेयर बाजार में मुनाफे की कुंजी

शेयर बाजार की दुनिया में कुछ नाम ऐसे हैं, जो केवल सफल निवेशक ही नहीं, बल्कि एक प्रेरणा भी हैं। वॉरेन बफे (Warren Buffett) ऐसे ही व्यक्तित्व हैं जिन्होंने सरल सोच, अनुशासन और धैर्य से अरबों की संपत्ति बनाई। उनका मानना है कि शेयर बाजार जुआ नहीं, बल्कि समझदारी से किया गया निवेश है। यदि युवा पीढ़ी उनके सिद्धांतों को अपनाए, तो वो भी भविष्य में आर्थिक रूप से स्वतंत्र और समृद्ध बन सकती है। इस लेख में हम वॉरेन बफे के निवेश नियमों को सरल हिंदी में समझेंगे, जिनका पालन कर युवा निवेशक भी 'मोटा मुनाफा' कमा सकते हैं।

1. खुद को निवेश के लिए शिक्षित करें

वॉरेन बफे कहते हैं, 'सबसे अच्छा निवेश वो है, जो आप अपनी शिक्षा में करते हैं।' शेयर बाजार में उतरने से पहले जरूरी है कि युवा लोग खुद को वित्तीय ज्ञान से लैस करें। किताबें पढ़ें, अनुभवी निवेशकों की कहानियाँ सुनें और बाजार के उतार-चढ़ाव को समझें।

2. लंबी अवधि का सोचें

बफे का मानना है कि बाजार में तेजी से पैसे कमाने की सोच खतरनाक हो सकती है। उनका मूल मंत्र है – 'अच्छी कंपनी में निवेश करो और लंबे समय तक टिके रहो।' युवा निवेशकों को चाहिए कि वे स्टॉक्स को खरीदें और समय के साथ उनके ग्रोथ का लाभ उठाएं।

याद रखें, निवेश की शुरुआत छोटी हो सकती है, पर सोच बड़ी होनी चाहिए।

'आज समझदारी से किया गया निवेश, कल की आर्थिक स्वतंत्रता की नींव बनता है।'

3. उस व्यापार को समझें, जिसमें निवेश कर रहे हैं

बफे केवल उन्हीं कंपनियों में निवेश करते हैं, जिनके बिजनेस मॉडल को वो अच्छे से समझते हैं। यही आदत युवाओं को भी अपनानी चाहिए।

4. बाजार में डर का फायदा उठाएं

बफे कहते हैं, 'जब दूसरे डर रहे हों, तब लालची बनो।' यानी जब बाजार नीचे जा रहा हो, तब अच्छे स्टॉक्स सस्ते मिलते हैं और वहीं निवेश करने का सबसे सही समय होता है।

5. मूल्य (Value) को समझें, न कि कीमत को

बहुत से युवा सिर्फ सस्ते स्टॉक्स में निवेश करते हैं। लेकिन बफे का मानना है कि कीमत नहीं, कंपनी का मूल्य (Value) देखो।

6. भावनाओं पर नियंत्रण रखें

बफे के अनुसार, शेयर बाजार में सफलता दिमाग से नहीं, बल्कि भावनात्मक अनुशासन से मिलती है। लालच, डर, अफवाह - इन सब पर नियंत्रण रखना जरूरी है।

दूसरों के कहने पर स्टॉक न खरीदें।

शॉर्ट टर्म नुकसान से घबराकर निवेश से बाहर न निकलें।

7. नियमित निवेश और संयम

बफे ने कभी सट्टेबाजी नहीं की। उन्होंने कहा, 'Wealth grows with patience.' यानी संयम रखो, नियमित निवेश करो और वक्त को अपना साथी बनाओ।

SIP या डायरेक्ट स्टॉक्स में छोटे-छोटे निवेश से भी बड़ी पूंजी बन सकती है। हर महीने कुछ हिस्सा निवेश करना, एक मजबूत वित्तीय आदत है।

8. विविधता में संतुलन जरूरी (Diversify, but wisely)

हालांकि बफे बहुत ज्यादा डाइवर्सिफिकेशन में विश्वास नहीं रखते, पर शुरुआती निवेशकों को सलाह दी जाती है कि वे अपने पोर्टफोलियो को 4-5 सेक्टरों में बांटें। इससे किसी एक सेक्टर में गिरावट का बड़ा नुकसान नहीं होता।

वॉरेन बफे के नियम किसी चमत्कारी फॉर्मूले की तरह नहीं हैं, बल्कि व्यवहारिक और अनुशासित सोच पर आधारित हैं। अगर युवा इन सिद्धांतों को समझकर अपनाएं - जैसे धैर्य, शिक्षा, भावनात्मक नियंत्रण और वैल्यू इन्वेस्टिंग - तो शेयर बाजार उनके लिए केवल जोखिम नहीं, बल्कि एक सुनहरा अवसर बन सकता है। याद रखें, निवेश की शुरुआत छोटी हो सकती है, पर सोच बड़ी होनी चाहिए।

'आज समझदारी से किया गया निवेश, कल की आर्थिक स्वतंत्रता की नींव बनता है।'

आज के समय में हेल्थ इंश्योरेंस क्यों है उतना ही जरूरी जितनी फाइनेंशियल प्लानिंग?

आज की तेज़ रफ्तार और अनिश्चितताओं से भरी दुनिया में सिर्फ निवेश या बचत करना ही काफी नहीं है, बल्कि स्वास्थ्य सुरक्षा यानी हेल्थ इंश्योरेंस भी उतना ही जरूरी है। अगर आप वित्तीय स्वतंत्रता की सोच रखते हैं, तो हेल्थ इंश्योरेंस को अपनी प्लानिंग का हिस्सा ज़रूर बनाएं।

1. मेडिकल खर्च दिन-ब-दिन बढ़ते जा रहे हैं

आज एक सामान्य बीमारी का इलाज भी हजारों में पहुंच जाता है, और गंभीर बीमारियों का इलाज लाखों में। हेल्थ इंश्योरेंस आपकी बचत को टूटने से बचाता है।

2. इमरजेंसी में आर्थिक तनाव से राहत

बीमारी कभी बताकर नहीं आती। अचानक अस्पताल में भर्ती होने पर हेल्थ इंश्योरेंस आपके लिए सुरक्षा कवच बनता है और आपको वित्तीय दबाव से बचाता है।

3. सेविंग और निवेश पर असर नहीं पड़ता

अगर आपके पास हेल्थ कवर नहीं है, तो इलाज का खर्च आपके निवेश और सेविंग्स को नष्ट कर सकता है। बीमा आपको यह सुनिश्चित करने में मदद करता है कि आपकी आर्थिक योजनाएं पटरी से न उतरें।

4. टैक्स बचत का भी फायदा

हेल्थ इंश्योरेंस लेने पर आपको आयकर अधिनियम की धारा 80D के तहत टैक्स में छूट भी मिलती है। यानी सुरक्षा के साथ बचत भी।

5. मानसिक शांति

जब आपको पता होता है कि किसी भी स्वास्थ्य समस्या के समय आपके पास बीमा है, तो मानसिक शांति बनी रहती है जो कि एक स्वस्थ और सफल जीवन की असली कुंजी है।

वित्तीय योजना तभी पूरी मानी जाती है जब उसमें स्वास्थ्य सुरक्षा भी शामिल हो। याद रखें, 'Health is wealth" सिर्फ कहावत नहीं, एक सच्चाई है। इसलिए, आज ही हेल्थ इंश्योरेंस लेकर अपने और अपने परिवार के भविष्य को सुरक्षित बनाएं।

*निर्भर स्कीम चयन एवं बाजार जोखिम पर, निवेश करने से पहले ऑफर दस्तावेज पूर्णरूप से पढ़ लें।

SIP के जरिए पैसा बनाने के ये 10 टिप्स है कमाल के

SIP मार्केट लिंक्ड स्कीम है। ये तेजी से पैसा तो बनाती है, लेकिन आपकी छोटी-छोटी गलतियां इसमें आपका नुकसान भी करा सकती हैं। अगर आप SIP में निवेश करना चाहते हैं या करने के बारे में सोच रहे हैं तो आपको इससे जुड़ी कुछ बातों को जरूर समझ लेना चाहिए ताकि आप इससे ज्यादा से ज्यादा मुनाफा कमा सकें और अपने बैंक अकाउंट को पैसों से भर सकें।

लक्ष्य तय करें

एसआईपी हो या कोई और स्कीम, निवेश का पहला रूल कहता है कि आपको इस बारे में ये पता जरूर होना चाहिए कि आप किस मकसद से निवेश कर रहे हैं। तभी आप ये तय कर पाएंगे कि पैसा लॉन्?ग टर्म के लिए लगाया जाए या शॉर्ट टर्म या मिड टर्म के लिए। SIP के मामले में भी ये नियम लागू होता है। लक्ष्य के हिसाब से लंबी या छोटी अवधि के लिए एसआईपी शुरू करें और लक्ष्य के अनुसार ही फंड का चुनाव करें।

जोखिम को समझें

म्युचुअल फंड गारंटीड रिटर्न वाली स्कीम नहीं है, ये मार्केट लिंक्ड स्कीम है, इसलिए इसमें निवेश करने से पहले उसके जोखिम को समझना बहुत जरूरी है। हर फंड का जोखिम स्तर अलग होता है, इसलिए अपने जोखिम सहनशीलता के अनुसार ही फंड चुनें।

फंड का परफॉर्मेंस जरूर चेक करें

किसी भी जगह पर निवेश करने से पहले अच्छे से रिसर्च करना चाहिए। आप SIP में निवेश करते वक्त फंड के पिछले प्रदर्शन को जरूर देखें। इससे आपको फंड की स्थिरता और प्रबंधन की गुणवत्ता का अंदाजा लग सकता है।

फंड मैनेजर की योग्यता

एक अच्छे फंड मैनेजर के पास बाजार की अच्छी समझ होती है और वो आपके निवेश को सही दिशा में ले जा सकता है। इसलिए फंड मैनेजर की योग्यता और अनुभव इसमें काफी मायने रखता है। इसके अलावा म्युचुअल फंड में जब भी आप SIP के जरिए निवेश शुरू करें तो पहले उसके उसके खर्च और चार्जेज वगैरह के बारे में जरूर पता कर लें। कुछ फंड में हाई चार्जेज होते हैं जो आपके रिटर्न को प्रभावित कर सकते हैं।

डाइवर्सिफिकेशन

एक कहावत है कि सारे अंडे कभी भी एक टोकरी में नहीं रखने चाहिए। निवेश के मामले में भी ये नियम काम करता है। अपने निवेश को लार्ज-कैप, मिड-कैप और स्मॉल-कैप फंड जैसे तमाम तरह के फंडों में बांटें इससे जोखिम कम होता है और आपके निवेश की सुरक्षा बढ़ती है।

बाजार में गिरावट से न घबराएं

बाजार में गिरावट आपके लिए एक अवसर है। इस समय अपनी SIP को रोकने की गलती न करें। गिरावट के दौरान, आपको उसी राशि में अधिक म्यूचुअल फंड यूनिट्स मिलती हैं, जो लंबी अवधि में आपके रिटर्न को बढ़ा सकती हैं।

टॉप-अप करें

अगर आप एसआईपी से ज्यादा से ज्यादा रिटर्न प्राप्त करना चाहते हैं, तो आप समय-समय पर अपने एसआईपी में टॉप-अप कर सकते हैं। इससे आप निवेश पर चक्रवृद्धि ब्याज का ज्यादा से ज्यादा फायदा ले पाएंगे।

अनुशासित रहें

एसआईपी में निवेश करते समय अनुशासित रहना बहुत जरूरी है। बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद, आपको नियमित रूप से निवेश करते रहना चाहिए। तभी आपको रुपी कॉस्ट एवरेजिंग का पूरा फायदा मिल पाता है।

नियमित रूप से अपने निवेश की समीक्षा करें

हर 6-12 महीने में अपने SIP पोर्टफोलियो की समीक्षा करें। ये सुनिश्चित करने के लिए कि आपके फंड आपके वित्तीय लक्ष्यों के अनुरूप प्रदर्शन कर रहे हैं। अगर कोई फंड लगातार खराब प्रदर्शन कर रहा है, तो आप उसे बदलने पर विचार कर सकते हैं।

एक्सपर्ट की सलाह लें

अगर आपको किसी तरह का कन्फ्यूजन है या आप अपने लिए सही फंड का चुनाव नहीं कर पा रहे हैं तो किसी से सुनकर निवेश न करें, एक्सपर्ट से सलाह लें। इससे आपको सही मार्गदर्शन मिलेगा।

अगर आप आज से ही 10000 रूपये महीने की SIP चालू करते है तो बन सकते है 1.5 करोड़ रूपये

SIP RETURNS

Rs 5000 invested monthly				
YEARS	AMOUNT INVESTED	Returns 10%	12%	15%
5	300000	387185	408348	442873
10	600000	1024225	1150193	1376085
20	1200000	3796844	4946277	7486197

Rs 10000 invested monthly				
YEARS	AMOUNT INVESTED	Returns 10%	12%	15%
5	600000	774371	816697	885745
10	1200000	2048450	2300387	2752171
20	2400000	7593688	9892554	14972395

Rs 20000 invested monthly				
YEARS	AMOUNT INVESTED	Returns 10%	12%	15%
5	1200000	1548741	1633393	1771490
10	2400000	4096900	4600774	5504341
20	4800000	15187377	19785107	29944790

Rs 50000 invested monthly				
YEARS	AMOUNT INVESTED	Returns 10%	12%	15%
5	3000000	3871854	4083483	4428725
10	6000000	10242249	11501934	13760853
20	12000000	37968442	49462768	74861974

Call us to invest : 82870 99099

निर्भर स्कीम चयन एवं बाजार जोखिम पर, निवेश करने से पहले ऑफर दस्तावेज पूर्णरूप से पढ़ लें।

वर्तमान समय में म्यूचुअल फंड में निवेश क्यों है बेहद जरूरी जानिए कारण

महंगाई बढ़ रही है, फिक्स्ड डिपॉजिट का रिटर्न घट रहा है, और भविष्य की ज़रूरतें दिन-ब-दिन महंगी होती जा रही हैं। ऐसे दौर में पारंपरिक बचत उपाय अब पर्याप्त नहीं रह गए हैं। इस स्थिति में म्यूचुअल फंड एक ऐसा स्मार्ट निवेश विकल्प बनकर उभरा है, जो सुरक्षित भी है और रिटर्न की संभावनाएं भी अच्छी देता है।

वर्तमान समय में म्यूचुअल फंड में निवेश करना क्यों जरूरी है आइए जानते हैं बिंदुवार तरीके से।

1. महंगाई को मात देने वाला विकल्प

बचत खाते या एफडी में जहां 4-6% तक रिटर्न मिलता है, वहीं महंगाई दर 6-7% तक पहुंच चुकी है। म्यूचुअल फंड, विशेष रूप से इक्विटी फंड, महंगाई दर से अधिक रिटर्न देने की क्षमता रखते हैं, जिससे आपकी असली क्रय शक्ति बनी रहती है।

2. छोटे निवेश से बड़ी पूंजी

म्यूचुअल फंड में आप रूपये 500 या रूपये 1000 प्रति माह की SIP (सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) के माध्यम से भी निवेश शुरू कर सकते हैं। यह युवाओं, गृहणियों और मध्यम आय वर्ग के लिए आदर्श है।

3. विविधता (Diversification) का फायदा

एक म्यूचुअल फंड कई कंपनियों के शेयर, डिबेंचर या अन्य संपत्तियों में पैसा लगाता है। इससे जोखिम कम होता है, क्योंकि यदि एक-दो कंपनियों के स्टॉक गिरते हैं, तो दूसरे संभाल लेते हैं।

4. प्रोफेशनल मैनेजमेंट का लाभ

म्यूचुअल फंड को अनुभवी फंड मैनेजर संचालित करते हैं जो बाजार की स्थिति को समझकर निवेश करते हैं। इससे व्यक्ति गत निवेशक को विशेषज्ञता का सीधा लाभ मिलता है।

5. लचीलापन और तरलता

जब जरूरत हो, तब आप अपने म्यूचुअल फंड को आंशिक या पूर्ण रूप से रिडीम कर सकते हैं। ओपन-एंडेड फंड में पैसा निकालना आसान होता है और पैसा कुछ ही दिनों में आपके खाते में पहुंच जाता है।

6. टैक्स बचाने में मददगार

म्यूचुअल फंड का ELSS (Equity Linked Saving Scheme), धारा 80C के तहत टैक्स छूट का लाभ देता है। साथ ही, लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन पर भी टैक्स की दरें अनकूल हैं।

7. SIP के जरिए निवेश की आदत

मासिक SIP न सिर्फ अनुशासित निवेश की आदत विकसित करती है, बल्कि रुपये की लागत औसत (Rupee Cost Averaging) जैसी रणनीति से लॉन्ग टर्म में बेहतर रिटर्न दिलाती है।

8. हर उम्र और लक्ष्य के लिए उपयुक्त

चाहे रिटायरमेंट की प्लानिंग हो, बच्चों की पढ़ाई, घर खरीदना या आपातकालीन कोष बनाना - म्यूचुअल फंड में हर लक्ष्य के लिए उपयुक्त योजना उपलब्ध है।

9. ऑनलाइन और आसान निवेश प्रक्रिया

अब म्यूचुअल फंड में निवेश करने के लिए आपको ब्रोकरेज ऑफिस जाने की जरूरत नहीं। मोबाइल ऐप्स और वेबसाइट्स से आप मिनटों में निवेश शुरू कर सकते हैं।

10. पारदर्शिता और सुरक्षा

SEBI और AMFI जैसे नियामक संस्थान म्यूचुअल फंड को नियंत्रित करते हैं, जिससे इसमें निवेश करना सुरक्षित और पारदर्शी होता है। हर फंड की जानकारी नियमित रूप से प्रकाशित होती है।

वर्तमान समय में सिर्फ बचत करना पर्याप्त नहीं है। आपकी पूंजी को बढ़ाने और भविष्य के खर्चों से मुकाबला करने के लिए म्यूचुअल फंड में निवेश करना एक समझदारी भरा कदम है। यह न केवल रिटर्न देता है, बल्कि आपको आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनाने में भी सहायक होता है।

याद रखें: 'म्यूचुअल फंड - जोखिम के साथ समझदारी से, भविष्य को सुरक्षित बनाने की दिशा में एक जरूरी कदम!'

सैलरी क्लास के लिए जरूरी हैं ये 5 फाइनेंशियल प्लानिंग टिप्स, भविष्य बनेगा सुरक्षित

हर महीने सैलरी मिलना जितना सुकून देता है, उतना ही जरूरी है उस सैलरी का सही इस्तेमाल करना। कई बार देखा जाता है कि तय आमदनी वाले लोग खर्च और बचत के बीच तालमेल नहीं बिठा पाते, जिससे भविष्य में आर्थिक तनाव बढ़ जाता है। इसलिए अगर आप एक सैलरी पाने वाले प्रोफेशनल हैं, तो फाइनेंशियल प्लानिंग को आज से ही अपनी प्रायोरिटी में रखना शुरू कर दें, क्योंकि सिर्फ कमाई करना काफी नहीं है, बल्कि कमाई को समझदारी से प्लान करना भी जरूरी है। आइए, यहां हम पांच जरूरी बातों पर चर्चा कर लेते हैं जो फाइनेंशियल प्लानिंग में आपकी मदद करेंगे।

स्पष्ट वित्तीय लक्ष्य करें तय

फाइनेंशियल प्लानिंग में सबसे पहले आपको अपने स्पष्ट वित्तीय लक्ष्य तय करना चाहिए। चाहे आप घर खरीदना चाहते हों, बच्चों की पढ़ाई के लिए बचत कर रहे हों या विदेश यात्रा का सपना देख रहे हों- अपने छोटे और बड़े लक्ष्यों को तय करना बचत में अनुशासन लाता है। आपके लक्ष्य ही आपको सही दिशा देते हैं, और उन्हीं के जरिए आप एक ठोस वित्तीय रणनीति बना पाते हैं।

बजट बनाना है बहुत जरूरी

एक सैलरी क्लास व्यक्ति के लिए संतुलित बजट बनाना बेहद जरूरी है। खर्चों को जरूरत और इच्छा में बांटें। हर महीने कुछ हिस्सा बचत और निवेश के लिए तय करें। बजट को समय-समय पर रिव्यू करते रहें ताकि यह आपके मौजूदा लक्ष्यों से मेल खाता रहे। एक अच्छा बजट न सिर्फ खर्चों पर नियंत्रण रखता है, बल्कि अनिश्चित स्थितियों में आपकी ढाल भी बनता है।

कर्ज पर हमेशा रखें कंट्रोल

कर्ज लेना बुरा नहीं, लेकिन कर्ज का सही प्रबंधन न करना आपके वित्तीय भविष्य को खतरे में डाल सकता है। खासकर हाई इंटरेस्ट लोन आपकी आमदनी को बुरी तरह प्रभावित कर सकते हैं। ऐसे में एक बेहतर रणनीति से कर्ज चुकाने की योजना बनाएं। कमाई बनाम कर्ज के अनुपात को संतुलित रखें। यह आपकी क्रेडिट वर्थिनेस सुधारने में मदद करता है और आर्थिक तनाव को कम करता है।

बचत और निवेश से बनाएं मजबूत भविष्य

हर महीने कुछ हिस्सा बचाकर उसे FD, SIP या म्यूचुअल फंड जैसे विकल्पों में निवेश करना आपकी आर्थिक नींव को मजबूत करता है। डायवर्सिफाइड निवेश न सिर्फ आपकी बचत को बढ़ाता है, बल्कि बाजार की अनिश्चितताओं से भी सुरक्षा देता है। इस तरह आप अपने शॉर्ट टर्म और लॉन्ग टर्म दोनों लक्ष्यों को आसानी से पा सकते हैं।

रिटायरमेंट की तैयारी अभी से शुरू करें

रिटायरमेंट कोई आखिरी मोड़ नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत हो सकती है, बशर्ते आपने उसकी सही प्लानिंग की हो। आज से ही थोड़ा-थोड़ा करके रिटायरमेंट फंड में निवेश करें। यह वित्तीय आजादी का रास्ता खोलता है और भविष्य में आर्थिक बोझ से मुक्ति दिलाता है। स्मार्ट रिटायरमेंट प्लानिंग आपके बुजुर्ग जीवन को न सिर्फ सुरक्षित बनाती है, बल्कि सुकून और खुशियों से भर देती है।

निवेश पर रिटर्न क्यों घटता है?

जानिए ये 8 वजहें और उनसे बचने के आसान उपाय

आज हर कोई चाहता है कि उसका पैसा बढ़े, भविष्य सुरक्षित हो और निवेश से अच्छा रिटर्न मिले। लेकिन सच्चाई ये है कि कई बार जितनी उम्मीद होती है, उतना फायदा नहीं होता। कुछ मामलों में तो रिटर्न बहुत कम मिलता है या नुकसान हो जाता है। इसके पीछे सिर्फ बाजार की चाल जिम्मेदार नहीं होती, बल्कि हमारी खुद की कुछ गलतियां भी होती हैं।

1. बिना सोचे-समझे निवेश करना: बहुत से लोग सिर्फ दूसरों को देखकर, सोशल मीडिया पर कुछ देखकर या तात्कालिक लालच में आकर पैसा लगा देते हैं। उन्हें कंपनी, फंड या योजना के बारे में जानकारी ही नहीं होती।

उपाय: हर निवेश से पहले यह जानना जरूरी है कि आप कहां पैसा लगा रहे हैं। कंपनी का इतिहास, जोखिम, लाभ और बाज़ार की स्थिति को समझना जरूरी है।

2. निवेश का उद्देश्य स्पष्ट न होना: अगर आप यह तय नहीं करते कि आप किस मकसद के लिए निवेश कर रहे हैं, तो निवेश भटक सकता है।

उपाय: निवेश शुरू करने से पहले तय करें - यह शॉर्ट टर्म है या लॉन्ग टर्म, और आपका लक्ष्य क्या है। तभी आप सही योजना और सही रिटर्न तय कर पाएंगे।

3. जल्दी पैसा निकाल लेना : बाजार गिरते ही घबरा जाना और निवेश को बीच में ही निकाल लेना बहुत आम गलती है।

उपाय: लॉन्ग टर्म निवेश में धैर्य जरूरी है। उतार-चढ़ाव से घबराना नहीं चाहिए।

4. केवल एक ही जगह पैसा लगाना: अगर आपने अपना सारा पैसा एक ही स्टॉक या एक ही स्कीम में लगा दिया, और वो योजना फेल हो गई, तो पूरा पैसा डूब सकता है।

उपाय: अपने पैसों को अलग-अलग जगह निवेश करें - जैसे म्यूचुअल फंड, गोल्ड, FD, स्टॉक्स आदि। इससे जोखिम कम होता है और रिटर्न बेहतर हो सकता है।

5. महंगाई का असर न समझना: अगर आपकी निवेश योजना 6% रिटर्न दे रही है, लेकिन महंगाई 7% है - तो असल में आपकी पूंजी घट रही है।

उपाय: ऐसे विकल्प चुनें जो महंगाई से ऊपर रिटर्न दे सकें, जैसे इक्विटी म्यूचुअल फंड, रियल एस्टेट आदि।

6. टैक्स का सही प्लान न बनाना: कई लोग रिटर्न तो कमाते हैं लेकिन टैक्स की प्लानिंग नहीं करते, जिससे मुनाफे का बड़ा हिस्सा टैक्स में चला जाता है।

उपाय: टैक्स सेविंग योजनाएं जैसे PPF, ELSS, NPS का उपयोग करें। इसके अलावा लंबी अवधि के निवेश पर मिलने वाले टैक्स लाभों को समझें।

7. गलत समय पर निवेश या निकासी करना: बहुत से लोग मार्केट की ऊंचाई पर पैसा लगाते हैं और गिरावट पर बेच देते हैं - यानी उल्टा करते हैं।

उपाय: समय का चयन समझदारी से करें। SIP जैसी योजनाएं इस गलती को कम कर सकती हैं क्योंकि इसमें हर समय निवेश होता है।

8. निवेश की समीक्षा न करना: निवेश करके भूल जाना भी एक बड़ी गलती है। बाजार और योजनाओं में बदलाव होते रहते हैं।

उपाय: हर 6 महीने या साल में अपने निवेश की समीक्षा करें। जरूरत हो तो बदलाव करें। निवेश करना सिर्फ पैसा लगाना नहीं है, बल्कि ये एक सोच है, एक अनुशासन है। सही समय पर सही निर्णय लेकर, धैर्य और जानकारी के साथ निवेश किया जाए, तो न सिर्फ रिटर्न बेहतर हो सकता है बल्कि आर्थिक लक्ष्य भी पूरे हो सकते हैं।

बच्चों की शादी व पढ़ाई हेतु शीघ्र निर्णय लें

एक वर्ष का बच्चा होते ही अगर
100 रु. प्रति दिन निवेश करें तो 15 वर्ष बाद (बच्चें की उम्र 16 वर्ष होने पर) पायें रु. 15 लाख लगभग।
और यदि यही निर्णय
पांच वर्ष बाद लेते हैं 100 रू. प्रति दिन 10 वर्ष बाद (बच्चें की उम्र 16 वर्ष होने पर) पायें
रु. 7 लाख लगभग। #

गणना मात्र 12% ब्याज प्रतिवर्ष चक्रवृद्धि दर सें की गई है....

Invest in Tax Saving (ELSS) Schemes, and 54 EC Bonds

Invest for 80C ELSS (Start SIP From Today), Capital Gain 54EC Bonds.

Invest With Better Mutul Fund Distributor
Having Experience of 32 Years

Mob.: 98290-06801/98290-99899/98290-40424

डिस्क्लेमर

निवेश पत्रिका में प्रकाशित लेखों के माध्यम से बाजारों एवं कॉरपोरेट जगत के घटनाक्रमों की निष्पक्ष तस्वीर पेश करने का प्रयास किया गया है। निवेश पत्रिका के नियंत्रण एवं जानकारी से परे परिस्थितियों के कारण वास्तविक घटनाक्रम भिन्न हो सकते है। निवेश पत्रिका में प्रकाशित रिपोर्टों के आधार पर पाठकों द्वारा किए जाने वाले निवेश और लिए जाने वाले करोबारी निर्णयों के लिए निवेश पत्रिका कोई जिम्मेदारी नहीं लेता है। पाठकों से स्वयं निर्णय लेने की अपेक्षा की जाती है।

- संपादक: रमेशचन्द मालू

क्या चेक बाउंस होने पर भी घट जाता है आपका सिबिल स्कोर? कन्फ्यूजन है तो यहां करें दूर

चेक बाउंस होने की बात आपने भी कई बार सुनी होगी। आपको भी लगता होगा कि चेक बाउंस होना कोई बड़ी बात नहीं है। लेकिन ऐसा नहीं है। बार-बार चेक अगर आप बाउंस होगा तो आपको इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। चेक बाउंस का लगातार पैटर्न अप्रत्यक्ष रूप से आपकी CIBIL रिपोर्ट को प्रभावित कर सकता है। सिबिल स्कोर आपकी लोन पाने की पात्रता को तय करने में अपनी भूमिका निभाता है। सिबिल स्कोर के कमजोर होने से बैंक यह मान लेता है कि आप समय पर EMI चुकाने में असमर्थ हो सकते हैं। ऐसे में चेक बाउंस न हो, इस पर गौर करना जरूरी है।

बैंक के साथ संबंध खराब करना

बैंक लगातार चेक बाउंस मामलों को लेकर सावधान रहते हैं। अगर आपका चेक तकनीकी समस्याओं के चलते एक बार अस्वीकृत हो जाता है, तो अधिकारी इसे एक अलग मामले के रूप में पास कर देते हैं। हालांकि, अगर यह एक नियमित समस्या बन जाती है, तो बैंक इसे वित्तीय गैर-जिम्मेदारी के रूप में देखता है। ऐसे में बैंक के साथ आपका रिलेशन खराब होता है।

क्रेडिट सुविधा पर लग सकता है बैन

रेगुलर चेक बाउंस के साथ, बैंक अधिकारी ओवरड्राफ्ट सुविधाओं को ब्लॉक कर सकते हैं, क्रेडिट लिमिट कम कर सकते हैं, या खाते को फ्रीज कर सकते हैं। ऐसे प्रतिबंध आपके वित्तीय लेनदेन और प्रबंधन को प्रभावित कर सकते हैं। व्यवसाय मालिकों के लिए, क्रेडिट सुविधाओं पर प्रतिबंध कैश फ्लो और विक्रेता भुगतान को प्रभावित करते हैं।

मुकदमेबाजी का करना पड़ सकता है सामना

अगर चेक बाउंस का मामला कोर्ट पहुंच जाता है तो अदालत आपके पक्ष में नहीं होगी। आपको एक रिकवरी ऑर्डर हासिल होगा, जिसके विफल होने से आपकी वित्तीय विश्वसनीयता को नुकसान हो सकता है। हालांकि कोर्ट का फैसला सीधे आपके CIBIL स्कोर को प्रभावित नहीं करता है, लेकिन भविष्य में आपके एप्लीकेशन अस्वीकार किए जा सकते हैं।

जोखिम बढ़ाता है

एक बाउंस चेक बैंकों के मन में निगेटिव असर छोड़ता है। उन्हें लगता है कि आप एक हाई रिस्क वाले ग्राहक हैं और हो सकता है कि वे आपके लोन एप्लीकेशन को अप्रूव न करें। हालांकि, यह सीधे आपकी क्रेडिट रिपोर्ट या सिबिल रिपोर्ट को प्रभावित नहीं कर सकता है, लेकिन यह लोन स्वीकृति हासिल करने की आपकी संभावनाओं को कम कर सकता है।

Aditya Birla Sun Life Mutual Fund
ADITYA BIRLA CAPITAL
MUTUAL FUNDS

बाज़ार के उतार चढ़ावों को पार कीजिए
बैलेंस्ड स्ट्रैटेजी के साथ

Aditya Birla Sun Life
Balanced Advantage Fund
में निवेश कीजिए

abslmutualfund | abslmf

Scheme:	This product is suitable for investors who are seeking*:	Risk-O-Meter
Aditya Birla Sun Life Balanced Advantage Fund (An open ended Dynamic Asset Allocation fund)	• Capital appreciation and regular income in the long term • Investment in equity & equity related securities as well as fixed income securities (Debt & Money Market securities) *Investors should consult their financial advisors if in doubt whether the product is suitable for them.	The risk of the scheme is Very High

Scan to Invest

Risk-O-Meter as of May 31st, 2025.
The scheme type and Risk-O-Meter(s) specified will be evaluated and updated on a monthly basis. For updated scheme type and Risk-O-Meters kindly refer to the latest factsheet.

म्यूचुअल फंड निवेश बाजार जोखिमों के अधीन हैं, योजना से संबंधित सभी दस्तावेजों को ध्यान से पढ़ें.
Mutual Fund investments are subject to market risks, read all scheme related documents carefully.

#Mutual fund investment are subject to market risk, read all scheme related document carefully

स्वतत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक रमेश चन्द मालू द्वारा मोहन शर्मा एण्ड कंपनी प्रा.लि.ए-10, सुदर्शनपुरा औद्योगिक क्षेत्र जयपुर से मुद्रित एवं 103 प्रथम मंजिल, बृज अनुकम्पा, बीएसएनएल के सामने, अशोक मार्ग, सी-स्कीम जयपुर-302001 से प्रकाशित। सम्पादक : रमेश चन्द मालू मो. 98290-40524, 98290-66601
ई-मेल : niveshpatrika@mftoday.com वेबसाईट: www.mftoday.com